RNA : Real News Analysis

DAILY CURRENT AFFAIRS

UPSC, STATE PCS, SSC, RAILWAY, BANKING, DEFENCE,
और अन्य सभी सरकारी परीक्षाओं के लिए अति महत्वपूर्ण

DATE
दिसंबर
20
2024

Key Point

1. National News
2. International News
3. Govt. Mission, Apps
4. Awards & Honours
5. Sports News
6. Economic News
7. Newly Appointment
8. Defence News
9. Important Days
10. Technology News
11. Obituary News
12. Books & Authors

By Ankit Avasthi Sir

ह्यूमन वैल्यूएबल लॉन्च व्हीकल मार्क-3 / Human Valuable Launch Vehicle Mark-3

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गगनयान मिशन की पहली मानवरहित उड़ान के लिए ह्यूमन वैल्यूएबल लॉन्च व्हीकल मार्क-3 (HLVM3) का असेंबली कार्य शुरू कर दिया।

- यह असेंबली सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (श्रीहरिकोटा) में हो रही है, और इस मानवरहित उड़ान के अगले साल की शुरुआत में प्रक्षेपित होने की उम्मीद है।

HLVM-3 (ह्यूमन रेटेड लॉन्च व्हीकल मार्क-3) के मुख्य बिंदु:

1. **परिचय**:
   - HLVM-3 इसरो के LVM3 का मानव-अनुकूल संस्करण है, जिसे गगनयान मिशन के लिए विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य अंतरिक्ष में मानव को ले जाना है।
2. **उद्देश्य**:
   - सुरक्षित मानव अंतरिक्ष उड़ान सुनिश्चित करना।
   - इसमें उन्नत विश्वसनीयता और सुरक्षा सुविधाओं को शामिल किया गया है।
3. **मुख्य विशेषताएँ**:
   - **तीन चरणों का डिज़ाइन**: ठोस (Solid), तरल (Liquid) और क्रायोजेनिक (Cryogenic) चरणों का संयोजन।
   - **पेलोड क्षमता**: निम्न पृथ्वी कक्षा (LEO) तक 10 टन पेलोड ले जाने की क्षमता।
   - ऊंचाई और वजन: 53 मीटर ऊंचा और 640 टन वजनी।
   - **क्रू एस्केप सिस्टम (CES)**: यह वायुमंडलीय उड़ान के अलगाव तक चालू रहता है और अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

गगनयान मिशन के मुख्य बिंदु:

परिचय:

- गगनयान मिशन भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है।
- इसका उद्देश्य मानव चालक दल को 400 किमी की कक्षा में भेजना और उन्हें सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर वापस लाना है।

गगनयान मिशन की लागत:

- मिशन की कुल लागत लगभग ₹9023 करोड़ है।

उद्देश्य:

1. **मानव अंतरिक्ष उड़ानें संचालित करना**:
   - मानव अंतरिक्ष उड़ान संचालन की स्वदेशी क्षमता का प्रदर्शन।
2. **अंतरिक्ष अन्वेषण**:
   - एक सतत भारतीय मानव अंतरिक्ष अन्वेषण कार्यक्रम की नींव रखना।

गगनयान अंतरिक्ष यान के मुख्य घटक:

1. **ऑर्बिटल मॉड्यूल (OM):**
   - पृथ्वी की कक्षा में परिक्रमा करने वाला मिशन का मुख्य केंद्र।
   - इसमें दो भाग शामिल हैं:
     - क्रू मॉड्यूल (CM): चालक दल के लिए अंतरिक्ष जैसा वातावरण।
     - सेवा मॉड्यूल (SM): क्रू मॉड्यूल को आवश्यक तकनीकी सहायता प्रदान करता है।
2. **सेवा मॉड्यूल (SM):**
   - प्रणोदन प्रणाली, तापीय नियंत्रण, विद्युत प्रणाली और तैनाती तंत्र शामिल हैं।
   - इसका उद्देश्य कक्षा में रहते हुए क्रू मॉड्यूल को सपोर्ट प्रदान करना है।
3. **क्रू मॉड्यूल (CM):**
   - चालक दल के लिए पृथ्वी जैसा वातावरण सुनिश्चित करता है।
   - इसमें मानव केंद्रित उत्पाद, जीवन समर्थन प्रणाली, एवियोनिक्स, और मंदी प्रणाली शामिल हैं।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) -

स्थापना:

- 15 अगस्त 1969
- संस्थापक: डॉ. विक्रम साराभाई
- मुख्यालय: बेंगलुरु, कर्नाटक

मुख्य उद्देश्य:

- भारत के लिए अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का विकास और उसका राष्ट्रीय विकास में उपयोग।

प्रमुख केंद्र:

- **सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (श्रीहरिकोटा)** - प्रक्षेपण केंद्र।
- **विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (तिरुवनंतपुरम)** - रॉकेट विकास।
- **इसरो उपग्रह केंद्र (बेंगलुरु)** - उपग्रह निर्माण।

कृषि-कार्बन बाज़ार / agri-carbon market

कार्बन बाजारों की अवधारणा भारतीय कृषि में **स्थिरता और जलवायु परिवर्तन** से निपटने की **अत्यधिक संभावनाएं** रखती है। यह किसानों को **सतत कृषि प्रथाओं** के लिए प्रोत्साहित करते हुए **आर्थिक लाभ** प्रदान करती है। कार्बन बाजार **GHG उत्सर्जन को नियंत्रित** करने और **वैश्विक जलवायु लक्ष्यों** में योगदान देने का एक प्रभावी तरीका है।

कार्बन बाजार और उनका कार्य करने का तरीका:

परिचय:

कार्बन बाजारों को **COP29 (नवंबर 2024)** में संयुक्त राष्ट्र के तहत **केंद्रीकृत कार्बन बाजार** को मंजूरी मिली। भारत ने भी **अनुपालन और स्वैच्छिक कार्बन बाजार** शुरू करने की योजना बनाई है। **राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (NABARD)** ने **भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR)** के साथ मिलकर **Verra रजिस्ट्री** में पांच कृषि कार्बन क्रेडिट परियोजनाएं सूचीबद्ध की हैं।

वर्तमान कार्बन क्रेडिट परियोजनाएँ :

1. सहयोगी पहल:

- **राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (NABARD)**, **भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR)** और **राज्य विश्वविद्यालयों** ने **Verra रजिस्ट्री** में **5 कृषि कार्बन क्रेडिट परियोजनाएँ** सूचीबद्ध की हैं।
- उद्देश्य: **सतत कृषि** को बढ़ावा देना और **किसानों की आय** बढ़ाना।

2. कार्बन फार्मिंग परियोजनाएँ:

- **50 से अधिक परियोजनाएँ** भारत में **16 लाख हेक्टेयर** कृषि भूमि को कवर करती हैं।
- इनका लक्ष्य 47 लाख कार्बन क्रेडिट प्रति **वर्ष** उत्पन्न करना है।
- **वर्तमान स्थिति:**
  - अभी तक **कोई भी परियोजना पंजीकृत नहीं** हुई है।
  - **किसानों को आर्थिक लाभ** नहीं मिला है।

Verra रजिस्ट्री का परिचय:

- Verra एक **कार्बन क्रेडिट रजिस्ट्री** है।
- यह **वेरिफाइड कार्बन स्टैंडर्ड (VCS)** के तहत **उच्च-गुणवत्ता वाली परियोजनाओं** का **प्रबंधन** और **पारदर्शी क्रेडिट व्यापार** सुनिश्चित करती है।

कार्बन बाजारों की अवधारणा और उनके उद्देश्य

1. अनुपालन कार्बन बाजार:

- **परिभाषा:** यह वे बाजार हैं जो **अंतरराष्ट्रीय समझौतों**, **राष्ट्रीय सरकारों** या **क्षेत्रीय प्राधिकरणों** द्वारा **विनियमित** होते हैं।
- **उद्देश्य:**
  - **GHG (ग्रीनहाउस गैस) उत्सर्जन की सीमा** तय करना।
  - जो **कंपनियाँ और उद्योग** इस सीमा से अधिक उत्सर्जन करते हैं, उन्हें **कार्बन क्रेडिट खरीदने** या **आर्थिक दंड** भरने की आवश्यकता होती है।

2. स्वैच्छिक कार्बन बाजार:

- **परिभाषा:** यह बाजार **सरकारी आदेशों** के बाहर **स्वतंत्र रूप से संचालित** होते हैं।
- **उद्देश्य:**
  - **कंपनियों, व्यक्तियों, और संगठनों** को **अपना कार्बन फुटप्रिंट** कम करने का **वैकल्पिक विकल्प** प्रदान करना।
  - **CSR पहल** और **पर्यावरणीय जिम्मेदारी** को **बढ़ावा देना।**
- **उदाहरण:**
  - **क्लीन डेवलपमेंट मैकेनिज्म**, **वेरा (Verra)** और **गोल्ड स्टैंडर्ड** जैसे संगठनों द्वारा प्रमाणित परियोजनाएँ।

कार्बन बाजारों का समग्र उद्देश्य:

- **ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना** और **जलवायु परिवर्तन** से निपटना।
- **अनुपालन बाजार** प्रणालीगत परिवर्तन लागू करते हैं।
- **स्वैच्छिक बाजार** नवाचार और **जन भागीदारी** को बढ़ावा देते हैं।

भारत में कृषि कार्बन बाजार की चुनौतियाँ:

1. किसानों में जागरूकता की कमी:

- किसानों को **कार्बन बाजारों की अवधारणा** और उनके लाभ के बारे में कम जानकारी है।
- **45% किसान** जो कार्बन क्रेडिट परियोजनाओं से जुड़े हैं, परियोजना के उद्देश्यों के बारे में कुछ भी नहीं

2. स्थायी प्रथाओं में प्रशिक्षण की कमी:

- **60% किसान नई कृषि तकनीकों** जैसे **शून्य जुताई, अंतर-फसल, सूक्ष्म सिंचाई,** और **वैकल्पिक सिंचाई विधियों** में **कोई प्रशिक्षण** नहीं पाते।

3. वित्तीय प्रोत्साहन में देरी: किसानों को अतिरिक्त आय का वादा किया गया था, लेकिन **99% किसानों** को अब तक **कोई भुगतान नहीं** मिला।

4. **उपज में कमी और खाद्य सुरक्षा:** टिकाऊ कृषि प्रथाओं को अपनाने के **प्रारंभिक वर्षों में उपज में कमी** होती है।

वेल्थ टैक्स और इनहेरिटेंस टैक्स / Wealth Tax and Inheritance Tax

फ्रांसीसी अर्थशास्त्री थॉमस पिकेती ने भारत में आर्थिक असमानता को खत्म करने के लिए वेल्थ टैक्स (धनकर) और इनहेरिटेंस टैक्स (विरासत कर) लगाने की सलाह दी है। उनका मानना है कि ये कर प्रणाली देश में बढ़ती संपत्ति और आय की असमानताओं को कम करने में मदद कर सकते हैं, और समाज में अधिक समानता ला सकते हैं।

धनकर (Wealth Tax):

धनकर (Wealth Tax) एक प्रत्यक्ष कर है जो व्यक्ति की संपत्ति, जैसे नकद, संपत्ति, शेयर आदि पर लगाया जाता है। यह कर संपत्ति के मालिक पर उसके संपत्ति मूल्य के आधार पर वसूला जाता है।

विरासत कर (Inheritance Tax):

विरासत कर एक ऐसा कर है जो किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद उनकी संपत्ति या संपत्तियों पर लगाया जाता है। यह संपत्ति/धन को विरासत में प्राप्त करने वाले पर लगता है। यह "एस्टेट टैक्स" से अलग होता है, जो मृतक की संपत्ति की कुल मूल्य पर लगाया जाता है।

कई देशों में विरासत कर लागू होता है। उदाहरण के लिए:

- **जापान** में विरासत कर की दर 55% है।
- **दक्षिण कोरिया** में विरासत कर की दर 50% है।

विरासत कर और धनकर (Wealth Tax) में अंतर:

- विरासत कर एक बार ही लिया जाता है, जब कोई व्यक्ति बड़ी संपत्ति विरासत में प्राप्त करता है।
- वहीं, धनकर एक वार्षिक कर है जो संपत्ति के मालिक के जीवित रहने पर उनकी संपत्ति पर लगता है।

भारत में विरासत कर का इतिहास:

- **भारत में वर्तमान में विरासत कर (Inheritance Tax) लागू नहीं है।**
- पहले, 1953 में एस्टेट ड्यूटी (Estate Duty) लागू की गई थी, लेकिन इसकी दर 85% तक पहुँचने के कारण यह अप्रिय हो गई थी।
- इसलिए, 1985 में इसे समाप्त कर दिया गया।
- एस्टेट ड्यूटी के समान, गिफ्ट टैक्स और वेल्थ टैक्स भी भारत में लागू किए गए थे।
- गिफ्ट टैक्स 1998 में और वेल्थ टैक्स 2015 में समाप्त कर दिए गए।
- हालांकि, गिफ्ट टैक्स को 2004 में फिर से लागू किया गया था।
- गिफ्ट टैक्स के तहत, 50,000 रुपये से अधिक का उपहार प्राप्त होने पर उसे आयकर स्लैब के अनुसार कर लगाया जाता है।
- अपवादों में दान, विरासत, करीबी रिश्तेदारों से उपहार, और शादी के दौरान दिए गए उपहार शामिल हैं।

धनकर (Wealth Tax) का इतिहास:

भारत का धनकर अधिनियम: भारत में 1957 में धनकर अधिनियम लागू हुआ था, जो 30 लाख रुपये/वर्ष से अधिक आय पर 1% कर लगाता था। यह अधिनियम 2015 में अमल में लाने में विफलता के कारण रद्द कर दिया गया।

वैश्विक स्थिति: कुछ देशों जैसे स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और स्पेन में अभी भी धनकर मौजूद है।

वैश्विक न्यूनतम कर: G20 वित्त मंत्रियों ने अरबपतियों पर वैश्विक न्यूनतम कर पर चर्चा की है।

धनकर के पक्ष में तर्क:

1. **धन अंतर को कम करता है:** धनकर समाज में संपत्ति के अंतर को कम करता है और एक समान समाज बनाता है।
2. **समाज में योगदान:** अमीरों को समाज के संसाधनों से लाभ प्राप्त होने के कारण अधिक कर चुकाना चाहिए।
3. **सार्वजनिक वस्तुओं के लिए धन:** धनकर से प्राप्त राजस्व का उपयोग सार्वजनिक सेवाओं और वस्तुओं के लिए किया जा सकता है।
4. **निवेश को बढ़ावा मिलता है:** धनकर से बर्बादी के बजाय उत्पादक निवेश को प्रोत्साहन मिलता है।

धनकर के खिलाफ तर्क:

1. **उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों का पलायन:** धनकर उच्च नेटवर्थ व्यक्तियों को देश से बाहर जाने के लिए प्रेरित कर सकता है।
2. **अनुपालन लागत:** 2015 में भारत ने धनकर को समाप्त कर दिया था क्योंकि इससे कानूनी विवाद और अनुपालन लागत बढ़ गई थी।
3. **संपत्ति मूल्यांकन विवाद:** संपत्ति का मूल्यांकन करने में कठिनाई होती है, जिससे विवाद और कानूनी चुनौतियाँ उत्पन्न होती हैं।
4. **उपभोग और रोजगार पर असर:** धनकर उपभोग और रोजगार पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है, विशेषकर मध्यवर्ग और उच्च वर्ग के लिए।

गंगा नदी डॉल्फिन / Ganges River Dolphin

असम में पहली बार गंगा नदी डॉल्फिन (प्लाटानिस्टा गैंजेटिका) को टैग किया गया है, जो वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि है।

गंगा नदी डॉल्फिन के बारे में:

मुख्य विवरण:

- **उपाधि:** "गंगा की बाघिन" के नाम से प्रसिद्ध, 1801 में खोजी गई।
- **राष्ट्रीय जलीय पशु:** 2009 में राष्ट्रीय जलीय पशु और असम का राज्य जलीय पशु घोषित किया गया।
- **पर्यावास:** 90% गंगा नदी डॉल्फिन भारत में पाई जाती हैं, मुख्यत: गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना और कर्णफुली नदी प्रणालियों में।
- **विशेषताएं:**
  - अंधी होती हैं और मीठे पानी में रहती हैं।
  - शिकार के लिए अल्ट्रासोनिक ध्वनियों का उपयोग करती हैं।
  - छोटे समूहों में यात्रा करती हैं।
  - हर 30-120 सेकंड में सांस लेने के लिए सतह पर आती हैं।

महत्व और खतरे:

- **महत्व:**
  - यह नदी पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य की सूचक हैं, क्योंकि यह एक शीर्ष शिकारी (एपेक्स प्रिडेटर) है।
- **मुख्य खतरे:**
  - मछली पकड़ने के जाल में फंसना।
  - तेल के लिए शिकार।
  - आवास का विनाश और प्रदूषण (औद्योगिक कचरा, कीटनाशक, शोर)।

संरक्षण स्थिति और सरकारी पहल:

संरक्षण स्थिति:

- **IUCN:** संकटग्रस्त (Endangered)
- **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972:** अनुसूची I
- **CITES:** परिशिष्ट I
- **CMS:** परिशिष्ट I

संरक्षण पहल:

- **प्रोजेक्ट डॉल्फिन:** डॉल्फिन संरक्षण के लिए एक प्रमुख सरकारी योजना।
- **विक्रमशिला गंगा डॉल्फिन अभयारण्य:** बिहार में स्थित।
- **राष्ट्रीय गंगा नदी डॉल्फिन दिवस:** हर साल 5 अक्टूबर को मनाया जाता है।

प्रोजेक्ट डॉल्फिन क्या है?

- **शुरुआत:** 15 अगस्त 2020 को पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित।
- **उद्देश्य:** भारत की नदी और महासागरीय डॉल्फिनों का संरक्षण।
- **अवधि:** 10 वर्ष की योजना।
- **नोडल मंत्रालय:** पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय।

गंगा नदी डॉल्फिन (Platanista gangetica):

- **राष्ट्रीय जलीय पशु:** भारत का राष्ट्रीय जलीय पशु, भारतीय उपमहाद्वीप में ही पाया जाता है।
- **पर्यावास:** मीठे पानी की नदियाँ: गंगा-ब्रह्मपुत्र-मेघना और कर्णफुली-सांगू नदी प्रणालियाँ (नेपाल, भारत, बांग्लादेश)।
  - वैश्विक आबादी का लगभग 90% भारत में पाया जाता है।
- **IUCN स्थिति:** संकटग्रस्त (Endangered)।

मुख्य उद्देश्य:

- भारत की डॉल्फिन आबादी को संरक्षित करना और उनके लिए खतरे कम करना।
- संरक्षण संबंधी चुनौतियों का समाधान करना और डॉल्फिन संरक्षण में सभी हितधारकों की भागीदारी सुनिश्चित करना।

गंगा नदी डॉल्फिन की मुख्य विशेषताएँ:

- **दृष्टिहीन:** गंगा डॉल्फिन लगभग अंधी होती हैं और इकोलोकेशन (ध्वनि तरंगों से वस्तुओं की स्थिति निर्धारित करना) पर निर्भर करती हैं।
- **शारीरिक बनावट:** लंबी और पतली थूथन, गोल पेट, मजबूत शरीर और बड़े पंख जैसे फ्लिपर्स।
  - मादाएं नर से बड़ी होती हैं।
- **महत्व:** छत्र प्रजाति (Umbrella Species) होने के कारण इसे "गंगा की बाघिन" भी कहा जाता है।
- **स्थानीय नाम:** इसे सांस लेने के दौरान निकलने वाली अनोखी आवाज़ के कारण स्थानीय रूप से 'सुसु' कहा जाता है।

Radhakrishnan Panel Recommends Restructuring of NTA

कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट-अंडरग्रेजुएट (CUET-UG) में प्रश्न पत्र लीक की घटनाओं के बाद जून 2024 में एक सात सदस्यीय पैनल का गठन किया गया। इस पैनल का उद्देश्य परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता और सुरक्षा को बढ़ाने के लिए सुधारात्मक सिफारिशें प्रदान करना है।

पैनल की मुख्य सिफारिशें:

1. परीक्षा संचालन:

- **केवल प्रवेश परीक्षाएँ:** 2025 से, NTA केवल उच्च शिक्षा संस्थानों की प्रवेश परीक्षाएँ आयोजित करेगी, भर्ती परीक्षाएँ नहीं।

2. एनटीए का पुनर्गठन:

- **नए पद सृजित:** प्रशासन, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, आईटी सुरक्षा जैसे 10 नए पद बनाए जाएंगे ताकि परीक्षा प्रक्रिया त्रुटि-मुक्त हो सके।

3. डिजिटल परीक्षा (Digi-Exam):

- **सत्यापन प्रक्रिया:** आवेदन, परीक्षा और प्रवेश के हर चरण पर उम्मीदवार की पहचान सत्यापित करने के लिए 'डिजी-यात्रा' मॉडल अपनाया जाएगा।

4. प्रशासनिक निकाय:

- **सशक्त शासी निकाय:** परीक्षा लेखा-परीक्षा, नैतिकता और पारदर्शिता, नामांकन और स्टाफ शर्तों की निगरानी के लिए तीन उप-समितियों के साथ एक सशक्त और जवाबदेह शासी निकाय का गठन किया जाएगा।

5. समन्वय समितियाँ:

- **राज्य और जिला स्तर पर समितियाँ:** राज्य और जिला स्तर पर समन्वय समितियों का गठन होगा, जिनकी स्पष्ट भूमिकाएँ और जिम्मेदारियाँ निर्धारित की जाएंगी।

6. परीक्षा केंद्र:

- **केंद्रीय विद्यालय (KVs) और जवाहर नवोदय विद्यालय (JNVs):** इन स्कूलों का उपयोग देशभर में परीक्षा केंद्रों के रूप में किया जाएगा।

7. प्रश्न पत्र सुरक्षा:

- **सुरक्षित परिवहन:** प्रश्न पत्रों को अधिकृत अधिकारियों द्वारा सील किए गए सुरक्षित कूरियर सेवाओं के माध्यम से भेजा जाएगा।
    - कंटेनर लॉक किए जाएंगे, निगरानी में रहेंगे और सीसीटीवी कैमरों के तहत टेस्ट सेंटर पर एनटीए अधिकारियों को सौंपे जाएंगे।

8. ऑनलाइन परीक्षाएँ:

- **कंप्यूटर अनुकूलन परीक्षण:**
    - पैनल की सिफारिशों के आधार पर सरकार भविष्य की प्रवेश परीक्षाओं के लिए कंप्यूटर आधारित अनुकूलन परीक्षण (Computer Adaptive Testing) शुरू करने की योजना बना रही है।

सुधार की आवश्यकता:

1. **प्रश्न पत्र लीक और गलत गतिविधियाँ:**
    - परीक्षा सुरक्षा में खामियों से प्रश्न पत्र लीक हो जाते हैं, जिससे कुछ छात्रों को अनुचित लाभ मिलता है।
    - उदाहरण: NEET-UG पेपर लीक, UGC नेट में अनियमितताएँ।
    - अंक हेरफेर और अनियमितता जैसे अनावश्यक ग्रेस मार्क्स देना, असमान प्रतियोगिता उत्पन्न करते हैं।
2. **परीक्षा रद्दीकरण और तकनीकी खामियाँ:** बार-बार परीक्षा रद्द होने से देरी, तनाव और वित्तीय बोझ बढ़ता है।
3. **पारदर्शिता की कमी:** विभिन्न परीक्षा सत्रों में कठिनाई स्तर में अंतर से निष्पक्षता और तुलना पर सवाल उठते हैं।
4. **सामान्यीकरण की समस्याएँ:** विभिन्न कठिनाई स्तरों को ध्यान में रखते हुए अंकों के सामान्यीकरण की प्रक्रिया अस्पष्ट होती है।
5. **अन्य चुनौतियाँ:** राजनीतिक हस्तक्षेप, भ्रष्टाचार जैसे व्यापमं घोटाले की घटनाएँ।
6. **विश्वास की हानि:** इन समस्याओं से परीक्षा प्रणाली पर जनता का विश्वास कम होता है।

भारत में परीक्षा सुधार के लिए विभिन्न पहलें:

1. **सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम:** परीक्षा में अनुचित साधनों के उपयोग को रोकने और परीक्षा प्रक्रिया को सुरक्षित बनाने के लिए यह अधिनियम लागू किया गया।
2. **बायोमेट्रिक्स का उपयोग:** छात्रों की पहचान सत्यापित करने के लिए बायोमेट्रिक तकनीकों का उपयोग किया जाता है, जिससे धोखाधड़ी की घटनाओं को रोका जा सके।
3. **कंप्यूटर आधारित रीयल-टाइम परीक्षाएँ:** ऑनलाइन परीक्षाएँ आयोजित कर समय पर परिणाम प्रदान करना और पारदर्शिता सुनिश्चित करना।
4. **राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (NTA) का गठन:** उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश परीक्षाएँ आयोजित करने के लिए एक स्वतंत्र और स्वायत्त निकाय के रूप में NTA की स्थापना की गई।

फेडरल रिजर्व / federal Reserve (Fed)

अमेरिकी सेंट्रल बैंक फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 25 बेसिस पॉइंट (0.25%) की कटौती की है। अब ब्याज दरें 4.25% से 4.50% के बीच रहेंगी। इस साल ये तीसरा मौका है जब फेड ने ब्याज दरों में कटौती की है। इससे पहले 18 सितंबर और 8 नंबर को फेड ने इंटरेस्ट रेट्स में 25 (0.25%) और 50 बेसिस पॉइंट्स (0.50%) की कटौती की थी।

मुख्य बिंदु:

- फेडरल रिजर्व ने इस वर्ष तीसरी और अंतिम बार ब्याज दरों में कटौती की है।
- 2025 में, फेड दो बार ब्याज दरों में कटौती की संभावना जता रहा है, जो पहले अनुमानित चार कटौतियों से कम है।
- नीति निर्माताओं ने 2025 में महंगाई दर में वृद्धि का अनुमान लगाया है, जो वर्ष के अंत तक 2.5% तक पहुंच सकती है।

फेडरल रिजर्व सिस्टम (FED) के बारे में :

1. **फेडरल रिजर्व सिस्टम क्या है?**
   - फेडरल रिजर्व सिस्टम (FRS) अमेरिका का केंद्रीय बैंक है।
   - इसे "Fed" के नाम से भी जाना जाता है और यह दुनिया की सबसे प्रभावशाली वित्तीय संस्थाओं में से एक है।
2. **स्थापना:**
   - फेड की स्थापना फेडरल रिजर्व एक्ट के तहत 23 दिसंबर, 1913 को की गई थी।
   - यह अधिनियम तत्कालीन राष्ट्रपति वुडरो विल्सन द्वारा वित्तीय संकट (1907) के जवाब में हस्ताक्षरित किया गया था।
   - इससे पहले, अमेरिका एकमात्र प्रमुख वित्तीय शक्ति थी जिसके पास केंद्रीय बैंक नहीं था।
3. **स्थापना का उद्देश्य:**
   - देश को एक सुरक्षित, लचीला और स्थिर मौद्रिक और वित्तीय प्रणाली प्रदान करना।
4. **संरचना:**
   - फेड के पास 7 सदस्यीय बोर्ड है।
   - इसमें 12 फेडरल रिजर्व बैंक शामिल हैं, जो अलग-अलग जिलों में काम करते हैं और उनके अपने-अपने अध्यक्ष होते हैं।

ब्याज दरों में कटौती के कारण:

1. **आर्थिक मंदी का खतरा:** हाल के महीनों में अमेरिका में उपभोक्ता खर्च और औद्योगिक उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई है।
2. **वैश्विक अनिश्चितता:** अंतरराष्ट्रीय व्यापार में तनाव और अन्य वैश्विक कारकों ने इस निर्णय को प्रभावित किया।
3. **बेरोजगारी:** श्रम बाजार में सुधार की धीमी गति ने फेड को ब्याज दरों को घटाने के लिए प्रेरित किया।

अमेरिका में मुद्रास्फीति (नवंबर 2024):

- **वार्षिक मुद्रास्फीति:** 2.7% (अक्टूबर में 2.6% से बढ़कर)।

मुख्य कारण:

- खाद्य कीमतों में वृद्धि (2.4% बनाम 2.1%)।
- ऊर्जा लागत में कम गिरावट (-3.2% बनाम -4.9%)।
- नए वाहनों की कीमतों में मामूली गिरावट (-0.7% बनाम -1.3%)।
- आवास की लागत 0.3% बढ़ी, जो मासिक वृद्धि का 40% है।

- **गिरावट:**
  - आवास मुद्रास्फीति में कमी (4.7% बनाम 4.9%)।
  - परिवहन मुद्रास्फीति घटी (7.1% बनाम 8.2%)।
  - उपयोग किए गए वाहनों की कीमतों में और गिरावट (-3.4%)।

भारत पर प्रभाव:

1. **विदेशी निवेश में वृद्धि:** अमेरिका में ब्याज दरों में गिरावट से विदेशी निवेशक अमेरिका से सस्ते कर्ज लेकर भारत में निवेश कर सकते हैं।
2. **रुपये की मजबूती:** अमेरिकी ब्याज दरें गिरने से डॉलर कमजोर हो सकता है, जिससे भारतीय रुपया मजबूत हो सकता है।
3. **RBI की ब्याज दर पर निर्णय:** अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर में कटौती का प्रभाव भारत पर सीधे नहीं पड़ेगा।
   - भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) का ध्यान मुख्यत: मुद्रास्फीति नियंत्रण और GDP वृद्धि पर होता है, न कि बेरोजगारी दर पर।

कैंसर वैक्सीन / Cancer Vaccine

रूस ने एक ऐसा कैंसर टीका विकसित किया है जो प्रत्येक मरीज के लिए व्यक्तिगत रूप से तैयार किया जाता है। यह टीका मरीज के ट्यूमर से आरएनए का उपयोग करता है। यह टीका 2025 से रूसी नागरिकों के लिए मुफ्त में उपलब्ध होगा।

रूस का कैंसर वैक्सीन:

1. व्यक्तिगत उपचार
- यह वैक्सीन प्रत्येक मरीज के लिए खास तौर पर तैयार की जाती है।
- इसके लिए मरीज के ट्यूमर से निकाली गई RNA का उपयोग होता है।

2. प्रतिरक्षा प्रणाली को सक्रिय करना
- वैक्सीन कैंसर कोशिकाओं से एंटीजन पेश करके प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाती है।
- इससे प्रतिरक्षा प्रणाली कैंसर कोशिकाओं पर हमला करती है।

3. उन्नत तकनीक
- वैक्सीन को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की मदद से विकसित किया गया है।
- यह ट्यूमर डेटा का विश्लेषण करके प्रभावी उपचार तैयार करती है।

4. तेजी से तैयार होती है: वैक्सीन बनाने में सिर्फ 30 मिनट से 1 घंटे का समय लगता है।

5. मुफ्त उपलब्धता
- एक खुराक की लागत करीब 3 लाख रूबल है।
- इसे 2025 से रूसी नागरिकों को मुफ्त में उपलब्ध कराया जाएगा।

6. उपयोग का दायरा
- अभी यह स्पष्ट नहीं है कि यह कौन-कौन से कैंसर के लिए उपयोगी होगी।
- उम्मीद है कि यह कोलन, ब्रेस्ट और लंग कैंसर जैसे सामान्य कैंसर के लिए कारगर होगी।

कैंसर का परिचय:

कैंसर असामान्य कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि है, जो ट्यूमर बनाती हैं और अन्य भागों में फैल सकती हैं। यह आमतौर पर उस स्थान के नाम से जाना जाता है जहां यह शुरू होता है, जैसे फेफड़े या स्तन कैंसर।

कैंसर के प्रकार

1. **कार्सिनोमा:** शरीर की सतहों से उत्पन्न।
2. **सारकोमा:** हड्डियों और सॉफ्ट टिशू में विकसित।
3. **ल्यूकेमिया:** रक्त और अस्थि मज्जा को प्रभावित करता है।
4. **लिम्फोमा:** लसिका तंत्र में विकसित।
5. **मेलानोमा:** त्वचा के रंग बनाने वाली कोशिकाओं से उत्पन्न।

प्रमुख कारण

1. **आनुवंशिक:** जीन में परिवर्तन।
2. **जीवनशैली:** धूम्रपान, शराब, खराब आहार।
3. **पर्यावरण:** प्रदूषण और कार्सिनोजेन्स।
4. **आयु/लिंग:** विशेष कैंसर कुछ आयु/लिंग में अधिक।

कैंसर वैक्सीन कैसे काम करती है?

1. कैंसर प्रोटीन को पहचानन: कैंसर वैक्सीन ट्यूमर-संबंधित प्रोटीन (एंटीजन) को शरीर में पेश करती है।
- ये प्रोटीन इम्यून सिस्टम को कैंसर कोशिकाओं की पहचान और नष्ट करने के लिए प्रशिक्षित करते हैं।

2. इम्यून सिस्टम को सक्रिय करना: डेंड्रिटिक कोशिकाएं इन एंटीजन को टी-कोशिकाओं तक पहुँचाती हैं, जो कैंसर कोशिकाओं पर हमला करती हैं।

3. लक्षित प्रतिक्रिया: इम्यून सिस्टम कैंसर कोशिकाओं को पहचानकर विशेष रूप से उन पर हमला करता है।

4. कैंसर की पुनरावृत्ति रोकना: वैक्सीन इम्यून सिस्टम की स्मृति बनाती है, जिससे कैंसर दोबारा होने की संभावना कम होती है।

mRNA तकनीक की भूमिका
- **mRNA वैक्सीन:** ट्यूमर के प्रोटीन को कोड करती है, जिससे इम्यून सिस्टम को कैंसर के खिलाफ प्रशिक्षित किया जाता है।
- **बेहतर इम्यून प्रतिक्रिया:** टी-कोशिकाओं को सक्रिय कर कैंसर कोशिका

वैश्विक आँकड़े (Global Impact)

मृत्यु दर: 2020 में, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, कैंसर के कारण लगभग 10 मिलियन मौतें हुईं, जो वैश्विक स्तर पर हर छह मौतों में से एक के बराबर है।
- हर मिनट कैंसर के कारण 17 लोग अपनी जान गंवाते हैं।

नए मामले (New Cases): 2022 में, कैंसर के लगभग 20 मिलियन नए मामले और 9.7 मिलियन कैंसर से संबंधित मौतें दर्ज की गईं।

प्रमुख प्रकार:
- **फेफड़े का कैंसर (Lung Cancer):** 2.5 मिलियन नए मामले (12.4%)।
- **स्तन कैंसर :** 2.3 मिलियन मामले।
- **कोलन कैंसर :** 1.9 मिलियन मामले।
- **प्रोस्टेट कैंसर:** 1.5 मिलियन मामले।
- **पेट का कैंसर :** 970,000 मामले।

"GET READY FOR A WILD RIDE OF KNOWLEDGE !"

SUBSCRIBE OUR NEW YOUTUBE CHANNEL

ANKIT AVASTHI

Video will be upload soon !

RRB NTPC
TEST SERIES
100+ Mock Test
78 Sectional Test
40+ years PYPs
60+ Current affairs
TEST
Only
99
Per
Year
Buy Now

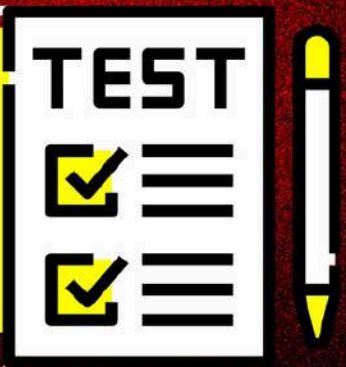

GA FOUNDATION

Hand Written Notes

Apni Pathshala
एक कदम उज्ज्वल भविष्य की ओर

Ankit Inspires India

₹ Only 1999

4 पुस्तकों का सम्पूर्ण सेट

अधिक जानकारी के लिए दिए गए नंबर पर संपर्क करें....

7878158882

APNI PATHSHALA

UPPSC,RO/ARO,BPSC,UP TEST SERIES

UPPSC
(TEST SERIES)
- 35+ MOCK TESTS
- 40+ PYQ'S
- 180+ TOPIC WISE TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

RO/ARO
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299/- YEAR

BPSC
(TEST SERIES)
- 50+ MOCK TESTS
- 30+ PYQ'S
- 10+ TOPIC WISE TEST
- 65+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 299 YEAR

SSC (TEST SERIES)
- 30 MOCK TESTS
- 28+ YEAR PYP
- 12 SECTIONAL TEST
- 60+ CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

RPF (TEST SERIES)
- 40 MOCK TESTS
- 2 YEAR PYQ'S
- 4 SECTIONAL TEST
- 10 PRACTICE TEST
- 60 CURRENT AFFAIRS

ONLY 99/- YEAR

Download | Application

Apni Pathshala

7878158882

Apni.Pathshala Avasthiankit

AnkitAvasthiSir kaankit

ANKIT AVASTHI SIR

NCERT COMPLETE

FOUNDATION BATCH

FOR ALL

- POLITY
- ECONOMICS
- HISTORY
- GEOGRAPHY

- DAILY LIVE CLASSES
- , WEEKLY TEST
- CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
- LIVE DOUBT SESSIONS
- DAILY PRACTISE PROBLEM

Rs 4999/-

Apni Pathshala 7878158882 Apni.Pathshala kaankit AnkitAvasthiSir Avasthiankit

ONLY
POLITY
1499
RS
DAILY LIVE CLASSES
, WEEKLY TEST
CLASSES PDF (HINDI+ENGLISH)
LIVE DOUBT SESSIONS
DAILY PRACTISE PROBLEM
Apni Pathshala
7878158882
Apni.Pathshala
kaankit
AnkitAvasthiSir
Avasthiankit

SSC TEST SERIES

CGL, CHSL, MTS, CET, CPO, GD,

Stenographer (Grades C & D)

Only at

99/-Year

Enroll Now !